भोपाल से प्रकाशित रंगमंच, संस्कृति, साहित्य का प्रतिनिधि पत्र

साप्ताहिक

RNI No. MPHIN/2019/78271

# रंग संस्कृति

सम्पादक - यतीन्द्र अत्रे

वर्ष -5 | अंक -52 | भोपाल, शनिवार 27 अप्रैल 3 मई 2024 | पृ.सं.-8 | मूल्य-5 रूपये

## 'संतोष चौबे' का निबंध संग्रह 'परम्परा और आधुनिकता' लोकार्पित

वरिष्ठ कवि कथाकार, निदेशक विश्व रंग एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्व. विद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे के ताजा निबंध संग्रह 'परम्परा और आधुनिकता' का लोकार्पण 27 अप्रैल को स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय, भोपाल के 'वनमाली सभागार' में समारोह पूर्वक किया गया। यह आयोजन वनमाली सृजन पीठ एवं आईसेक्ट पब्लिकेशन, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार ए. अरविन्दाक्षन ने कहा कि परंपरा और आधुनिकता की बहस बहुत पुरानी है। इस विषय पर इस दौर में यह पुस्तक आना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने केरल की आयुर्वेदिक पद्धति का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे एकत्र की गई जड़ीबूटियों में से विशेषज्ञ जरूरी जड़ीबूटियों को काम के लिए रखता है और जहरीली या गैरजरूरी चीजों को अलग करते है ठीक उसी दृष्टि को बरतते हुए संतोष चौबे अपने निबंधों में बहुमूल्य विषयों को शामिल करते है।

अपनी रचना प्रक्रिया पर संतोष चौबे ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मनुष्य की पहचान साहित्य, कला और संस्कृति से स्थापित होती है। कलाएँ जीवन में शीतल छाँव की तरह होती हैं। साहित्य, कला और संस्कृति हमें नई जीवन दृष्टि प्रदान करते है। इस पुस्तक में समाहित निबंधों से परंपरा और आधुनिकता को देखने की नई दृष्टि मिली है।

कार्यक्रम में बीज वक्तव्य रखते हुए वरिष्ठ कवि आलोचक जितेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि एक मुक्त दृष्टि से भारतीय परंपरा को समझने का गंभीर चिंतन है यह पुस्तक। चिंतक का काम तथ्यों से ही प्रासंगिक होता है। संतोष चौबे सही तरह से तथ्यों को देखते परखते हैं। वे उऋत्त भाव से जीवन मूल्यों तक पहुँचते हैं। इस पुस्तक के सभी निबंध नये ढंग से सोचने की दृष्टि देते हैं। इस अवसर पर स्वागत उद्बोधन में वनमाली सृजन पीठ भोपाल के अध्यक्ष वरिष्ठ कथाकार मुकेश वर्मा ने कहा कि यह पुस्तक वैचारिक निबंधों का महत्वपूर्ण संकलन है। संतोष चौबे ने अपनी लंबी वैचारिक यात्रा के जीवनानुभवों को निबंधों के रूप में इस पुस्तक में संकलित किया है। वरिष्ठ कथाकार अखिलेश ने कहा कि इस पुस्तक में परंपरा और आधुनिकता अंतरध्वनि के रूप में विद्दमान है। संतोष चौबे परंपरा और आधुनिकता दोनों को समान रूप से वैज्ञानिक ष्टिकोण से परिभाषित करते हैं। रचनात्मकता और विविधताओं का शिखार इन निबंधों में मिलता है।

वरिष्ठ कथाकार और आलोचक भालचन्द्र जोशी ने कहा कि संतोष चौबे परंपरा और आधुनिकता को समग्रता में देखने के पक्षधर है। इस पुस्तक के निबंधों में नई जीवन दृष्टि समाहित है।

रजनी गुप्त ने कहा कि 'परम्परा और आधुनिकता' पुस्तक कलाओं की आपसदारी में नये क्षितिज तलाशती है। संतोष चौबे इस पुस्तक के निबंधों में मनुष्य को मनुष्य बनाए रखाने के मानवीय मूल्यों को बहुत अधिक महत्व देते हैं।

आभार वरिष्ठ कवि बलराम गुमास्ता ने व्यक्त किया। लोकार्पण समारोह का सफल संचालन युवा कथाकार एवं वनमाली कथा के संपादक कुणाल सिंह द्वारा किया गया तथा संयोजन वनमाली सृजन पीठ की राष्ट्रीय संयोजक ज्योति रघुवंशी द्वारा किया गया। इस दौरान कार्यक्रम स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, वाइस चांसलर डॉ. अजय भूषण और रजिस्ट्रार डॉ. सितेश कुमार सिन्हा के अलावा बड़ी संख्या में रचनाकारों, कलाकारों, साहित्यप्रेमियों, शोधार्थियों, प्राध्यापकों आदि ने भागीदारी की।

## 'प्रत्येक वोट जरूरी है' विषय पर राज्य स्तरीय स्लोगन प्रतियोगिता

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया है कि लोकसभा निर्वाचन-2024 में मतदान के बेहतर प्रतिशत के लिए मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत 'प्रत्येक वोट जरूरी है' विषय पर राज्य स्तरीय स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही 10 प्रतिभागियों को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्राप्त प्रविष्टियों के मूल्यांकन के लिए एक राज्य स्तरीय चयन समिति का गठन भी किया गया है। चयन समिति के मूल्यांकन के बाद परिणाम घोषित किये जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों को अपनी प्रविष्टि mp.mygov.in पोर्टल पर भेजनी होगी। इसके साथ ही प्रतियोगिता से संबंधित जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की वेबसाइट पर भी उपलब्ध रहेगी।

विजयी प्रतिभागियों को यह मिलेगी पुरस्कार राशि

प्रथम पुरस्कार ₹51,000 एवं प्रमाण पत्र

द्वितीय पुरस्कार ₹21,000 एवं प्रमाण पत्र

तृतीय पुरस्कार ₹11,000 एवं प्रमाण पत्र

10 प्रतिभागियों को 5,100-5,100 रुपये का विशेष पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

नियम-शर्तें

प्रतिभागी मध्यप्रदेश का मूल निवासी हो।

एक प्रतिभागी की एक प्रविष्टि अधिकतम 25 से 30 शब्दों में हो।

प्रविष्टि मौलिक, अर्थपूर्ण एवं हिंदी भाषा में होना चाहिए।

प्रविष्टि में कोई उत्तेजक या आपत्तिजनक शब्द का प्रयोग न हो।

प्रतिभागी प्रविष्टि के साथ अपना नाम, पता, मोबाइल नंबर एवं ईमेल आईडी भी जरूर लिखें।

श्रेष्ठ प्रविष्टि का चयन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा गठित राज्य स्तरीय चयन समिति द्वारा किया जाएगा। चयन समिति का निर्णय अंतिम होगा।

## ग्वालियर : जमा चुनाव का रंग मतदाताओं के संग

ग्वालियर। ग्वालियर में कटोरा ताल स्थित थीम रोड पर शनिवार को अलग ही नजारा देखने मिला। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत 'चुनावी राहगीरी' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगीत, नृत्य, जुम्बा डांस, एडवेंचर गेम्स, रंगोली, पेंटिंग, मार्शल आर्ट, सामूहिक स्कैटिंग, क्विज, ओपन माइक के साथ ही बीएसएफ के बैंड ने आकर्षक प्रस्तुति दीं। ग्वालियर जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों की कड़ी में 'चुनाव का रंग मतदाताओं के संग' थीम पर शनिवार को 'चुनावी राहगीरी' कार्यक्रम आयोजित किया गया।

# स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में मध्य भारत के पहले स्किल्स फेस्ट का समापन

भोपाल। हाई वोल्टेज साउंड पर बॉलीवुड सन्ग्स और हाथ में मोबाइल की जगमग रोशनी के साथ जमकर थिरकते युवा। कुछ ऐसा ही एनर्जी से भरपूर माहौल दिखा शुक्रवार को स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के वार्षिकोत्सव में जब स्ट्रीट जैमर्स बैंड ने अपनी परफर्मेंस दी। इस दौरान स्ट्रीट जैमर्स के प्रमुख वोकलिस्ट विजय जैमर्स ने 'ए, मेरी उमर के नौ जवानों, दिल न लगाना, ओ, दिवानों"... सॉन्ग से शुरूआत की। इसके बाद 'ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे...' को रॉकिंग अंदाज में पेश कर हर किसी को झूमने को मजबूर किया। एनर्जी से भरपूर सॉन्ग्स की इस कड़ी में आगे उन्होंने आ जा आ जा दिल निचोड़ें, रात की मट्की फोड़ें..., मैं पी आया मैं पी आया मैं प्रेम का प्याला पी आया... से सभी को मंत्रमुग्ध किया। इसके साथ ही अन्य गीतों में आंखे तेरी हर जगह ढंढे बेवजह... को

पेश किया। इस दौरान कार्यक्रम में स्कोप स्किल्स यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, वाइस चांसलर डॉ. अजय भूषण, रजिस्ट्रार डॉ. सितेश कुमार सिन्हा, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्याल की प्रो. चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स प्रमुख रूप से मौजूद रहे। इससे पहले सुबह के सत्र में अपैरल कॉम्पीटिशन, क्विज कॉम्पीटिशन, हेयर स्टाइल कॉम्पीटिशन, ज्वैलरी मैकिंग इत्यादि का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया।

# 'अंधेरों की पैरवी वाले' और 'यक्ष उत्तर' ग़ज़ल संग्रह का साक्षी बना दुष्यंत संग्रहालय

ग़ज़ल की इब्तिदा ही बानगी है
'भिगो दे आँख तब तो शायरी है।'
हरिवल्लभ शर्मा 'हरि'

गीत ग़ज़ल की यह माला वरिष्ठ कवि युगल श्री हरिवल्लभ शर्मा हरि एवं श्रीमती सीमाहरि शर्मा की,

दुष्यंत संग्रहालय में 'ये अंधेरों की पैरवी वाले' गजल संग्रह और 'यक्ष उत्तर' गीत संग्रह के विमोचन के समय युगल द्वारा प्रस्तुत की गयी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अभा कला मंदिर के अध्यक्ष डॉ. गौरीशंकर शर्मा गौरीश जी ने कहा कि –

सीमा हरि शर्मा की पुस्तक पर कहा –यक्ष प्रश्नों के यक्ष उत्तर ही ति का आत्म तत्व है,जो इस गीत काव्य के आकर्षक पुष्पगुच्छ की गंध है।

हरिवल्लभ शर्मा जी की कृति के शीर्षक में अंधेरों की पैरवी करने वालों पर कटाक्ष के साथ चंद्र के आत्मीय अमृत को चुराने जैसी स्वेताभ श्याम किर्णीय प्रकाश के माध्यम से तमस को समूल से नष्ट करने का एक अभिनव प्रयास है।

मुख्य अतिथि विकास दवे जी ने कहा कि दोनों ही रचनाकार सामाजिक सरोकार के रचनाधर्मी हैं। सीमा जी के गीत, और हरि वल्लभ शर्मा जी की गजलें विषय वैविध्य और भाषाई सम्पन्नता का उत्कृष्ट उदाहरण है। विशिष्टअतिथि ड साधना बलवटे जी ने कहा कि सीमा शर्मा और हरिवल्लभ शर्मा का रचना कर्म मात्र काव्य कौशल का प्रदर्शन नहीं है और न ही कोरी भावुकता है, एक ठोस वैचारिक पृष्ठभूमि पर ये गीत गजल रचे गए हैं।

विशिष्टअतिथि डॉ. नुसरत मेहदी जी ने कहा कि –

हरि वल्लभ शर्मा जी का गजल संग्रह ये अंधेरों की पैरवी वाले और सीमा हरि शर्मा जी का गीत संग्रह यक्ष उत्तर दोनों पुस्तकों में अत्यंत

सूक्ष्म मानवीय भावनाओं की सफल अभिव्यक्ति की गई है। दोनों वरिष्ठ रचनाकार अपने सृजन के माध्यम से सामा. जिक मूल्यों के ह्रास की बात स्वीकार तो करते हैं किन्तु भविष्य में सकारात्मक परिवर्तन के प्रति आशान्वित रहने का और इस हेतु अपनी अपनी भूमिकाओं को सुनिश्चित करने का संदेश भी देते हैं।

पुस्तकों पर अपना वक्तव्य देते हुए गीत गागर पत्रिका के प्रधान संपादक दिनेश प्रभात जी ने कहा ष्जिन्दगी में मुसीबत के पहाड़ बहुत जरूरी हैं. जब तक यह चट्टान चटकेगी नहीं, आपके जीवन में खुशी के फव्वारे फूटेंगे नहीं. धरती की कोख में जब चट्टान टूटती है तो निर्झर फूटता है और जब आदमी टूटता है तो उसके ओंठ से गीत फूटता है।

वरिष्ठ गजलकार महेश अग्रवाल ने कहा कि

गजल केवल गागर में सागर भरने की कला नहीं है ,उससे आगे कहे तो गजल शब्दों का ऐसा संयोजन है जो सुनने वालों और पढ़ने वालों को एकदम हतप्रभ कर दे,अवाक कर दे, जिसे सुनकर लोग आश्चर्य मिश्रित प्रतिक्रिया व्यक्त करें, आनंद के अतिरेक से भर जाए और इसके संकेत से अनेक अर्थ निकाले जा सकते हों,जिसकी सूक्ष्मता में सागर के विस्तार की अनुभूति हो,यही गजल विधा की मौलिक विशेषता भी है। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य अभासाप की महामंत्री श्रीमती सुनीता यादव ने दिया उन्होनें कहा कि गजल व गीत का संगम दो युगल का संगम है। सरस्वती वंदना परिषद् की सांस्कृतिक मंत्री मॉडवी सिंह ने प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का सफल संचालन चर्चित गीतकार धर्मेंद्र सिंह सोलंकी ने किया। आभार श्रीमती स्वेता संतोष ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यकार व परिजन वंदना बरुआ, प्रमोद कुमार बरुआ, शान्तनु शर्मा, हर्षिता शर्मा, अशोक निर्मल, कमलेश गुल, डॉ. मीनू पाण्डेय, राजेन्द्र शर्मा अक्षर।

# जीवन में सफलता के लिए चेतन भगत ने बताए 11 रूल्स

भोपाल। स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू) के वार्षिकोत्सव 'स्किल्स फ्यूजन फेस्ट –2024' का आगाज गुरुवार को मिसरोद स्थित स्कोप कैंपस में किया गया। इसमें सेलिब्रिटी ऑथर और मोट्विेशनल स्पीकर चेतन भगत का सेशन मुख्य आकर्षण रहा। उन्होंने अपनी बातचीत के दौरान युवाओं से बात करते हुए 11 रूल्स का जिक्र किया जिनका यदि लोग ध्यान रखें तो अपने जीवन में सफल होने के साथ सुखी भी रह सकते हैं।

इस कार्यक्रम के दौरान युवाओं से बातचीत में चेतन भगत ने बताया, लोग सोचते हैं कि पैसा आने का बाद लाइफ जीएंगे या पैसा आ जाएगा तो बस सब कुछ अच्छा ही अच्छा होगा। पर ऐसा होता नहीं है। क्योंकि पैसा सम्भालना अपने आप में कठिन काम बन जाता है और व्यक्ति पैसे को मैनेज करने एवं बैलेंस करते करते ही परेशानियां खड़ी कर लेती है। ऐसे में कुछ गलतियां हैं जो मैंने समय रहते ठीक कर लीं, उनका आप भी ध्यान रखेंगे तो सफलता भी मिलेगी और जीवन शानदार बनेगा। अपने ऐसे ही 11 रूल्स का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पहला रूल 1. अपनी फिटनेस पर ध्यान देना क्योंकि फिट रहोगे तो हर काम बेहतर कर पाओगे। इसके अलावा फिटनेस बीमारी की संभावना को भी कई गुना कम कर देती है।

रूल 2. अपने इमोशन्स को कंट्रोल करो क्योंकि बहुत सारे गलत निर्णय हम केवल इमोशन्स में कर लेते हैं। कई बार इमोशन्स में आकर लड़ लेते हैं किसी से तो कई बार इमोशन्स में कुछ ऐसा कर देते हैं जिसका हर्जाना पूरी लाइफटाइम भुगतना पड़ता है।

रूल 3. अपने आप को पहले रखो। अक्सर हम अपनी प्रायोरिटी को पीछे कर देते हैं और समय खराब करने वाली चीजों में लगे रहते हैं। ऐसे में ध्यान रखो जो आपकी लाइफ में सबसे इम्पोर्टेंट वही आपकी प्रायोरिटी हो।

रूल 4. सामान्य अंग्रेजी जरूर सीखें। आज अंग्रेजी भाषा केवल भाषा नहीं बल्कि स्किल है। इसकी सामान्य समझ आपके लिए कई अवसरों के द्वारा खोल देती है।

रूल 5. नो चीप डोपेमीन। यानी लालच और मन को थोड़ी देर के लिए लुभाने वाली चीजों में न लगाएं। बल्कि स्वयं को ऐसी चीजों में लगाएं जहां कार्य करके स्वयं पर गर्व और आनंद का अनुभव हो।

रूल 6 . मुश्किल चीजों के पीछे भागें। आप अपने लिए मुश्किल टार्गेट तय करें और उन्हें पाने की कोशिश करें, यह व्यक्ति को एक लेवल ऊपर पहुंचा देती है।

रूल 7. ईट द एलिफेंट। इससे तात्पर्य है बड़ा गोल बनाएं और उसे पूरा करने का प्रयास करें। अपने प्रयास को टुकड़ों में बांटे और उन टुकड़ों के टास्क को पूरा करें। आप एक दिन पूरा एलिफेंट खा जाएंगे।

रूल 8. बी द काक्रोच। काक्रोच की खासियत है कि वह हर परिस्थिति में ढल जाता है और सर्वाइव कर लेता है। हमें भी यह कला सीखनी होगी, तब हमारे लिए जीवन आसान बन जाएगा।

रूल 9. लोगों से कनेक्शन बनाइए क्योंकि नेट्वर्किंग से ही बड़ी सफलता मिलती है।

रूल 10. इट्स योर फॉल्ट यानि अपनी असफलता का दोष दूसरों को न देकर स्वयं जिम्मेदारी लें।

रूल 11. कमाएं, बचाएं और इंवेट करें क्योंकि बचाकर कोई अमीर नहीं बनता परंतु इंवेस्ट से जरूर अमीर बन सकता है।

# प्रत्येक मतदान केन्द्र पर 'चलें बूथ की ओर' अभियान चलाएं

भोपाल। लोकसभा निर्वाचन-2024 के अंतर्गत प्रदेश में तृतीय एवं चतुर्थ चरण का मतदान क्रमशः 7 मई 2024 एवं 13 मई 2024 को होने जा रहा है। मतदान प्रक्रिया में अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने 'चलें बूथ की ओर' अभियान प्रत्येक मतदान केन्द्र पर चलाया जाएं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने यह निर्देश संबंधित जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिये हैं। श्री राजन ने कहा कि कि तृतीय चरण के लिये यह अभियान एक मई एवं चतुर्थ चरण के लिये 7 मई को चलाये साथ ही मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अन्य आयोजन भी करें। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक मतदान केन्द्र पर बूथ जागरूकता समूह के सदस्यों, कैम्पस एम्बेसडर, रहवासी कल्याण समिति, चुनावी साक्षारता क्लब, गैर सरकारी संगठन, चुनाव पाठशाला तथा स्थानीय लोगों के माध्यम से सघन स्वीप गतिविधियां आयोजित कर लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिये जागरूक एवं प्रेरित करने की कार्यवाही करें। आयोजित गतिविधियों के उच्च गुणवत्ता के फोटोग्राफ्स एवं वीडियो उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिये गये हैं।

तीसरे चरण के 20456 मतदान केंद्रों पर चलेगा अभियान

तीसरे चरण में प्रदेश के 9 लोकसभा क्षेत्रों में मतदान होना है। इसके अंतर्गत आने वाले 20 हजार 456 मतदान केंद्रों पर यह अभियान चलाया जाएगा। इसमें बैतूल, मुरैना, भिंड, ग्वालियर, गुना, सागर, विदिशा, भोपाल और राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र शामिल हैं।

चौथे चरण में प्रदेश के 8 लोकसभा क्षेत्रों के 18 हजार 7 मतदान केंद्रों पर यह अभियान चलाया जाएगा। इसमें देवास, उज्जैन, मंदसौर, रतलाम, धार, इंदौर, खरगोन, खंडवा लोकसभा क्षेत्र शामिल हैं।

# पोल डे कम्युनिकेशन प्रकोष्ठ में पल-पल की जानकारी हुई संकलित

सतना। लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान दलों के रवाना होने से लेकर उनके सामग्री जमा करने तक मतदान केंद्रों की विभिन्न गतिविधियों और वोटिंग प्रतिशत की पल-पल की जानकारी जिला स्तरीय कम्युनिकेशन प्रकोष्ठ द्वारा संकलित की गई। ई-दक्ष सेंटर कक्ष के जिला स्तरीय कम्युनिकेशन प्लान और कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्थापित रिटर्निंग ऑफिसर स्तरीय कम्युनिकेशन प्लान द्वारा दूरभाष के माध्यम से सेक्टर अधिकारियों, एआरओ और रिटर्निंग ऑफिसर से मतदान केंद्र की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी संकलित की गई। जिला स्तरीय कम्युनिकेशन प्रकोष्ठ की इयूटी में संलग्न अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा पूरे दिन वोटिंग प्रतिशत की जानकारी समय पर संक. लित कर निर्वाचन आयोग को भेजी गई। जिला स्तरीय कम्युनिकेशन प्लान में दूरभाष पर जानकारी लेने की व्यवस्था के प्रभारी सहायक नोडल अधिकारी परियोजना अधिकारी गौरव शर्मा, सहायक परियोजना अधिकारी अवधेश सिंह और जिला प्रबंधक ई-गवर्नेंस योगेश तिवारी ने मतदान दलों के रवाना होने, उनके पहुंचने, मतदान दलों की व्यवस्था, मॉकपोल की प्रक्रिया, मतदान प्रारंभ होने के बाद का मतदान प्रतिशत और ईवीएम मशीनों के संचालन संबंधी पल-पल की जानकारी संकलित की।

कलेक्टर ने पोल-डे कम्युनिकेशन की ली जानकारी

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने मतदान दिवस की प्रातः पोल-डे कम्युनिकेशन के जिला सेंटर ई-दक्ष केंद्र पहुंचकर मतदान केंद्रों की गतिविधियों तथा सभी मतदान केंद्रों में मॉकपोल संपन्न होने की जानकारी ली। उन्होंने सभी मतदान केंद्रों के मतदान प्रतिशत, कुल मतदान सहित कानून और व्यवस्था के बारे में पल-पल संग्रहित की जा रही सूचनाओं की जानकारी ली। इसी प्रकार कम्युनिकेशन प्लान की नोडल अधिकारी एवं सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल वानखेड़े, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, डिप्टी कलेक्टर सुमेश द्विवेदी द्वारा मतदान केंद्रों में मतदान की स्थिति में कड़ी निगरानी रखी गई। कंट्रोल रूम में विधान सभावार कम्युनिकेशन दल के अधिकारी और कर्मचारी तैनात रहे। इनके द्वारा प्रत्येक मतदान केन्द्र से आवश्यक सूचनाएं संकलित की गई।

# वोटर इनफॉरमेशन स्लीप, प्रत्येक मतदाता को जरूर प्राप्त हो

मंदसौर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने मतदाता जागरूकता अंतर्गत वोटर भैया, वोटर दीदी मैस्कॉट का लोकार्पण कुशाभाऊ ठाकरे ऑडिटेरियम में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान किस तरह से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके मतदान प्रतिशत बढ़ाया जा सकता है, इस पर गहन जानकारी प्रदान की गई। जानकारी देते हुए कलेक्टर ने कहा कि वोटर इनफॉरमेशन स्लिप प्रत्येक मतदाता को प्राप्त होनी चाहिए, वितरण करते समय इसका एक रजिस्टर मेंटेन किया जाए। जिसको वोटर इनफॉरमेशन स्लिप दी जा रही है उसके हस्ताक्षर एवं मोबाइल नंबर जरूर लिखवाए। वोटर इनफॉरमेशन स्लिप वितरण की क्रास चेकिंग भी की जाएगी। इसके साथ ही स्कूल चलो अभियान के तहत शिक्षा विभाग घर-घर मतदाता जागरूकता का भी प्रचार प्रसार करें। ऐसे मतदान केंद्र जहां पर मतदान प्रतिशत कम हुआ है,

उन मतदान केंद्रों पर विशेष मतदाता जागरूकता गति. विधियां आयोजित की जाए। मतदान केंद्र के बाहर मतदान दिवस के दिन सेल्फी प्वाइंट भी लगाए, जिससे मतदाता मतदान के बाद अपनी फोटो लेकर सेल्फी सोशल मीडिया पर अपलोड कर सके। मतदान केंद्र के बाहर लाइन लगने के दौरान मतदान केंद्र के अंदर दो महिला एवं एक पुरुष को मतदान के लिए बुलाए, इस बात का अच्छे से ध्यान रखो। वोटर इनफॉरमेशन स्लिप देते हुए फोटोस वीडियो भी सोशल मीडिया पर अपलोड किया जाए। मतदान दिवस एवं मतदान के समय का व्यापक प्रचार प्रसार करें। इसके साथ ही मतदान के लिए 12 दस्तावेजों की जानकारी भी मतदान केंद्रों के बाहर लगाई जाए। साथ ही इसका भी व्यापक प्रचार प्रसार हो। अगर कोई मतदाता आईडी कार्ड के कारण मतदान से वंचित रहता है, तो मतदाता की आईडी कार्ड घर से लाने में बीएलओ मदद करें। जिससे वह भी मतदान कर सके। सभी कर्मचारी मतदान प्रतिशत बढ़ाने के कार्य को इयूटी न समझ कर जिम्मेदारी समझकर कार्य करें।

# 2035 तक हर दूसरा व्यक्ति मोटापे से जूझेगा

आंकड़ों की बात करें तो आने वाले वर्षों में करीब 400 करोड़ लोग मोटापे और बढ़ते वजन की समस्या से ग्रस्त होंगें। रिपोर्ट के मुताबिक 260 करोड़ लोग पहले ही इस समस्या से जूझ रहे हैं। वहीं अनुमान है कि 2035 तक 400 करोड़ लोग इसका शिकार बन जाएंग। यानि 2035 तक दुनिया का हर दूसरा इंसान यानी करीब 51 फीसदी आबादी इस समस्या से जूझ रही होगी। यह जानकारी वर्ल्ड ओबेसिटी फेडरेशन द्वारा जारी रिपोर्ट World Obesity Atlas में सामने आई है।

विशेषज्ञों की मानें तो इसके लिए कहीं न कहीं बदलती जीवनशैली और गलत खानपान जिम्मेवार हैं। आज लोग स्वादिष्ट खाने के चक्कर में पोषण को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। रिपोर्ट से पता चला है कि बच्चों में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है, जो चिंता का विषय है। इतना ही नहीं जहां पहले यह माना जाता था कि विकसित देशों में यह समस्या कहीं ज्यादा गंभीर है वहीं आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत जैसे विक. ासशील देशों में भी यह समस्या तेजी से फैल रही है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े

वहीं यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी आंकड़ों को देखें तो दुनिया भर में 200 करोड़ लोग पहले ही बढ़ते वजन और मोटापे की समस्या से ग्रस्त हैं। पता चला है कि 18 वर्ष से ज्यादा उम्र के करीब 39 फीसदी लोग बढ़ते वजन जबकि 13 फीसदी मोटापे से पीड़ित हैं। आंकड़ों की मानें तो 1975 के बाद से दुनिया भर में मोटापे की यह समस्या बढ़कर करीब तीन गुणा हो गई है। डब्लूएचओ के मुताबिक 2020 में पांच वर्ष से कम आयु के करीब 3.9 करोड़ बच्चे बढ़ते वजन और मोटापे का शिकार थे। इसी तरह पांच से 19 वर्ष की आयु के 34 करोड़ बच्चों और युवाओं में यह समस्या देखी गई थी। डब्लूएचओ का अनुमान है कि यदि यह आंकड़ा ऐसे ही बढ़ता रहा तो 2025 तक मोटापे और बढ़ते वजन का शिकार 16.7 करोड़ लोगों में स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएं पैदा हो जाएंगी।

साभार -lalluram.com

# सम्पादकीय

समय रहते तय करें

## पहले मतदान फिर दूजा काम...

यतीन्द्र अत्रे

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में लगातार गिरते मतदान प्रतिशत ने चिंता की लकीरें खड़ी कर दी हैं। आंकड़ों की बात करें तो वर्ष 2019 में अकेले मध्य प्रदेश में जिन सीटों पर 67% मतदान हुआ था वह क्षेत्र इस बार 58% के आसपास सिमट कर रह गए हैं। कारणों पर हम जाएं इसके पूर्व यह चर्चा जरूरी हो जाती है कि, स्वतंत्रता के 76 वर्ष उपरांत भी मतदान के प्रति जागरूकता की क्या आज के मतदाता को आवश्यकता है ? क्या यह कहना उचित होगा कि इन 76 वर्षों में साक्षरता का प्रतिशत तो बढ़ा हुआ दिखाई देता है, पर क्या संविधान के प्रति हमारी जिम्मेदारी की समझ विकसित हुई है ? हमें क्यों किसी और के द्वारा समझाया जाता है कि आपको राष्ट्र निर्माण के लिए वोट देने जाना है। मतदान के प्रति ऐसी बेरुखी की क्या विडंबना हो सकती है ..?हालांकि अभी देश में दो चरणों का ही मतदान संपन्न हुआ है अभी किसी नतीजे पर पहुंचना न्याय संगत नहीं होगा। चुनाव आयोग के प्रयासों के साथ सामाजिक संस्थाएं, निजी कंपनियां निरंतर मतदाताओं को जागरुक कर रही हैं। अब इसे हटकर यदि हम बात करें कि देश में एक बहुत बड़ा वर्ग मध्यम वर्गीय परिवार का प्रतिनिधित्व करता है,जो डीजल,पेट्रोल एवं रसोई गैस की बढ़ती कीमतों से सरकार का आकलन करने की मंशा रखता है। लेकिन सिर्फ यह बड़ा कारण नहीं माना जा सकता है। पिछले कुछ वर्षों से हमने बढ़ती महंगाई को भी स्वीकार किया है वरन डिजिटल भारत के साथ देश को विश्व में तीसरी इकोनामी बनने का सपना भी देखा है। क्या मतदान केंद्र से बनाई जा रही हमारी दूरी के चलते यह सपना पूरा होगा ? चुनावी पंडितों, लेखकों एवं विशेषज्ञों का कहना है कि लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम आने के पूर्व ही लोगों ने अपने मन में यह धारणा बना ली है की जीत पूर्ववर्ती सरकार की ही होगी, बस जीत के प्रतिशत को लेकर चर्चाएं आम हैं। क्या ऐसा मत देने वाले लोगों का विपक्षी दलों पर से भरोसा उठ गया है। इससे हटकर यदि भारतीय जनता पार्टी की कार्य प्रणाली की बात करें तो जनता का अपना दृष्टिकोण अलग-अलग हो सकता है, पर प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता पिछले 10 वर्षों से निरंतर बनी हुई है। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी अपनी जीत के प्रति आश्वस्त है। बहरहाल परिणाम क्या होंगे यह कहना थोड़ा मुश्किल होगा, लेकिन परिणाम सकारात्मक होंगे या नकारात्मक, दोनों के लिए जिम्मेदार भी हम ही होंगे। यह तय करने का अधिकार हमारे पास आज सुरक्षित है कि, विकास की ओर अग्रसर हम एक स्थाई सरकार को चुने, यह तय करें कि मतदान के दिन - पहले मतदान फिर दूजा काम।

मो. : 9425004536

## कार्टूनिस्ट हरिओम तिवारी की नज़र से...

# भारतीय संस्कृति में पृथ्वी को धरती माता के रुप में पूजा जाता है

महेश अग्रवाल

22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस जागरूकता अभियान के रुप मे मनाया जाता है। पृथ्वी दिवस मनाने का बहुत अधिक महत्व है क्योंकि पृथ्वी जीवन का सार है। हम सब मिलकर पृथ्वी का सम्मान करें। वह हमारे जीवन में सभी प्रकार का लाभ और बेहतर स्थिति देती है। अगर हम लगातार उसकी पूजा करते हैं, तो वह हमें मोक्ष पाने में भी मदद करती है। वह हमें हमारे जीवन में धैर्य, ज्ञान, बुद्धि, धन और साहस प्रदान करेगी। आइए हम पवित्र माता की पूजा करें और धन्य हो।

योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि योग अभ्यास में भी पार्थिवी धारणा के बारे मे बताया जाता है। जिसके अभ्यास से व्यक्ति निरोगी होकर मृत्यु पर भी विजय प्राप्त कर सिद्ध हो जाता है। कर्मो का क्षय होता है और आत्मिक लाभ प्राप्त होता है। हस्त मुद्रा योग में पृथ्वी मुद्रा को अंग्रेजी में ळमेजनतम व जीम मंतजी कहा जाता है। इसका दूसरा नाम अग्नि शामक मुद्रा है। इसके द्वारा मनुष्य अपने भौतिक अंतरत्व में पृथ्वी तत्व को जाग्रत करता है और शरीर में बढ़ने वाले अग्नि तत्व को घटाने में मदद करता है। जब इस मुद्रा को किया जाता है तब पृथ्वी तत्व बढ़कर सम हो जाते हैं। इस मुद्रा के अभ्यास से नए घटक बनते हैं। मनुष्य शरीर में दो नाड़ियाँ होती है सूर्य नाड़ी और चन्द्र नाड़ी। जब पृथ्वी मुद्रा की जाती है तो अनामिका अर्थात सूर्य अंगुली पर दबाव पड़ता है जिससे सूर्य नाड़ी और स्वर को सक्रीय होने में सहयोग मिलता है। अनामिका अंगुली पृथ्वी तत्व का प्रतीक है। पृथ्वी तत्व हमें स्थूलता, स्थायित्व देता है। इससे पृथ्वी तत्व बढ़ता है। यह अंगुली सभी विटामिनों एवं प्राण शक्ति का केंद्र मानी जाती है। यह हर समय तेजस्वी विद्युत प्रवाह करती है और साथ ही अंगूठा भी। इस अंगुली द्वारा ही हम तिलक लगाते हैं। पूजा अर्चना करते हैं और शादी में अंगूठी पहनते हैं।

पृथ्वी तत्व : इसे जड़ जगत का हिस्सा कहते हैं। हमारी देह जो दिखाई देती है वह भी जड़ जगत का हिस्सा है और पृथ्वी भी। इसी से हमारा भौतिक शरीर बना है, लेकिन उसमें तब तक जान नहीं आ सकती जब तक की अन्य तत्व उसका हिस्सा न बने। जिन तत्वों, धातुओं और अधातुओं से पृथ्वी बनी है उन्हीं से यह हमारा शरीर भी बना है। इन्ही पांच तत्वों को सामूहिक रूप से पंचतत्व कहा जाता है। इनमें से शरीर में एक भी न हो तो बाकी चारों भी नहीं रहते हैं। किसी एक का बाहर निकल जाने ही मृत्यु है। आत्मा को प्रकट जगत में होने के लिए इन्हीं पंच तत्वों की आवश्यकता होती है। जो मनुष्य इन पंच तत्वों के महत्व को समझकर इनका सम्मान और इनको पोषित करता है वह निरोगी रहकर दीर्घजीवी होता है। पृथ्वी हमें सहनशीलता का गुण सिखाती है । पृथ्वी से मानव को सूंघने की क्षमता मिलती है । पृथ्वी ऐसा आधार है, जिस पर अन्य तीन तत्व जल, अग्नि व वायु सक्रिय होते हैं।

हमारे सौरमंडल में केवल धरती ही ऐसा ग्रह है, जहां जीवन है, जहां नदी, झरने, पहाड़, वन, अनेक जंतु प्रजातियां हैं और जहां हम सब मनुष्य भी हैं। लेकिन हम सब की लालच और लापरवाही ने ना केवल दूसरी जीव प्रजातियों के लिए बल्कि खुद अपने लिए और संपूर्ण धरती के लिए संकट पैदा कर दिया है। ऐसे में पृथ्वी दिवस जैसे आयोजन हमें जागरूक करने के लिए जरूरी हैं। आइए इस पृथ्वी दिवस पर हम धरती की पुकार सुनें और इसे स्वच्छ-सुरक्षित बनाए रखने में अपना भरपूर योगदान दें।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

## 'काव्य दीर्घा'

सुरेश कुशवाह 'तन्मय'

226, माँ नर्मदे नगर,बिलेहरी, जबलपुर (म प्र),
मो. : 9893266014

## पुस्तक मेला...

पुस्तक मेला लगा शहर में
संग चलेंगे दादाजी
बात हमारी मान के उनने
किया हुआ है वादा जी।

किया आज ही जाना तय है
राघव, हर्षल साथ में
दादाजी ने सुची बनाकर
रख ली अपने हाथ में,
जी भर आज किताबें लेंगे
हम ज्यादा से ज्यादा जी।
पुस्तक मेला लगा शहर में
संग चलेंगे दादाजी।।

सदाचरण, आदर्श ज्ञान की
कुछ विज्ञान की नई किताबें
कुछ कॉमिक्स कहानी कविता
जो मन में सद्भाव जगा दे,
सोच समझकर चयन करेंगे
अब न रहे, हम नादां जी।
पुस्तक मेला लगा शहर में
संग चलेंगे दादाजी।।

दादा जी ने भी खुश होकर
अपना बटुआ खोला है
हमने भी अपने गुल्लक को
तह तक आज टटोला है,
पढ़ लिख, उच्च विचार रखें
पर, जीवन तो हो सादा जी।
पुस्तक मेला लगा शहर में
संग चलेंगे दादाजी।।

# प्रतिष्ठानों के संचालन में विभागीय प्रावधानों व फायर सेफ्टी का पालन कराने पर जोर

ग्वालियर। किसी भी प्रतिष्ठान का संचालन विभागीय अनुमति व लायसेंस के बगैर न हो। जिन प्रतिष्ठानों में प्रावधानों का पालन नहीं हो रहा हैं, ऐसे सभी प्रतिष्ठानों को चिन्हित करें और प्रावधानों का पालन एवं विधिवत अनुमति प्राप्त करने के लिए 15 दिन का अवसर दें। इस समयावधि के बाद भी जिन संस्थानों द्वारा यह कार्य नहीं कराया जाए, उन संस्थानों के खिलाफ विधि अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने आदेश जारी कर इस आशय के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए हैं।

जान-माल की सुरक्षा एवं आमजन के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर यह आदेश जारी किया गया है। प्रतिष्ठानों में नियमों, निर्देशों व प्रावधानों का पालन हो रहा है कि नहीं इसका निरीक्षण प्रभावी कार्य योजना बनाकर करने के निर्देश कलेक्टर श्रीमती चौहान ने संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने गर्मी के मौसम में अग्नि दुर्घटनाओं की संभावना को ध्यान में रखकर प्राथमिकता के आधार पर विभागीय स्तर पर दल गठित कर विभिन्न प्रकार के संस्थानों में निर्धारित मापदंडों मसलन फायर सेफ्टी एवं विद्युत सुरक्षा के तय मानकों के अनुरूप निरीक्षण कराने निर्देश दिए हैं। साथ ही स्पष्ट किया है कि अनियमितता पाए जाने पर विधि अनुसार कार्रवाई की जाए। कलेक्टर ने इस संबंध में की गई कार्रवाई का पालन प्रतिवेदन 15 दिवस में मांगा है। साथ ही हर माह की 5 तारीख तक नियमित रूप से मासिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए हैं।

जिला दण्डाधिकारी श्रीमती चौहान ने आदेश में स्पष्ट किया है कि जमीन की खरीदी-बिक्री से लेकर भवन, दुकानें, फैक्ट्री, मॉल, सिनेमा हॉल, हॉस्पिटल, स्कूल, कोचिंग सेंटर, होटल, लॉज, मैरिज गार्डन, ज्वलनशील सामग्रियों का भण्डारण व विक्रय इत्यादि संस्थान के निर्माण के लिए सभी संबंधित विभागों में नामांतरण, डायवर्सन, भवन निर्माण अनुज्ञा लेना अनिवार्य है। साथ ही विभागीय दिशा-निर्देशन के तहत विद्युत सुरक्षा व फायर सेफ्टी का पुख्ता इंतजाम एवं लायसेंस प्राप्त करने का प्रावधान है।

जिला दण्डाधिकारी ने गत 19 अप्रैल को ग्वालियर शहर के एक मैरिज गार्डन में आग लगने की घटना का जिक्र करते हुए आदेश में उल्लेख किया है कि यदि समय रहते बचाव कार्य नहीं किए गए होते तो जन हानि हो सकती थी। इस प्रकार की घटनाओं से प्रकाश में आया है कि संबंधित भूमि स्वामी द्वारा निर्धारित शर्तों का पालन न कर अपनी सुविधा के अनुसार निर्माण कराकर मनमाने तरीके से उपयोग किया जाता है।

आदेश के जरिए जिला दण्डाधिकारी श्रीमती चौहान ने अपेक्षा की है कि नियम व प्रावधानों का पालन कर सभी संबंधित विभाग अनुमतियाँ व लायसेंस जारी करें।

उन्होंने आदेश में उल्लेख किया है कि प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण कराएँ। साथ ही यह भी देखें कि प्रस्तावित भवन जिस प्रयोजन से बनाया जा रहा है वह आसपास के रहवास के लिए उपयुक्त है अथवा नहीं। प्रस्तावित क्षेत्र में कोई शासकीय जमीन या भवन की जमीन तो उपयोग में नहीं आ रही या अतिक्रमण तो नहीं हो रहा । भवन का निर्माण अनुमति के अनुरूप हो रहा है कि नहीं। जिस कारोबार के लिए लायसेंस की जरूरत है उससे संबंधित भवन निर्माण इत्यादि के बाद कार्य उपयागिता प्रमाण- पत्र जारी किया जाए।

# जिले के ग्रामीण क्षेत्र में 11 सौ से अधिक असफल बोर वेल के बंद होने की पुष्टि की गयी

जबलपुर। अनुपयोगी एवं खुले नलकूपों व बोरवेल में छोटे बच्चों के गिरने की घटनाओं को देखते हुये सतर्कता के बतौर जबलपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में सर्वे करवाकर ऐसे 1हजार 119 बोर वेल की पुख्ता तौर पर बंद होने की पुष्टि कराई गई है जिन्हें अनुपयोगी और असफल पाया गया था।

जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी मनोज सिंह के मुताबिक जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती जयति सिंह द्वारा जनपदों के माध्यम से जिले की सभी 527 ग्राम पंचायतों में बोरवेल, ट्यूब बेल का सर्वे कराया गया है । उन्होंने बताया सर्वे के दौरान 31 हजार 086 बोरवेल में से ऐसे 1 हजार 119 असफल बोरवेल के सुरक्षित होने की पुष्टि कराई गई जिनको कैपिंग कराकर बंद किया जा चुका है।

श्री सिंह के अनुसार सावधानी के बतौर इन असफल बोर वेल का दुबारा भी सर्वे कराकर उनके पुख्ता तरीके से बंद (केप्ड) होने की पुष्टि संबंधित जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से कराई गई। जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से इन सभी असफल बोर वेल के सुरक्षित होने का प्रमाण पत्र भी लिया गया है। इसके साथ ही असफल और असुरक्षित बोरवेल के पुख्ता तरीके से बंद होने के प्रमाण की पुष्टि हेतु जियो टैग फोटो भी कराई गई है। अतिरिक्त मुख्य

कार्यपालन अधिकारी ने ग्रामीण क्षेत्र में निवास कर रहे नागरिकों से अपील भी की है कि यदि उन्हें कहीं से भी खुले बोर की जानकारी प्राप्त होती है तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित जनपद पंचायत अथवा जिला पंचायत को दें। उन्होंने बताया कि नागरिकों द्वारा खुले बोर वेल की सूचना सीएम हेल्पलाइन में भी दी जा सकती है।

असुरक्षित बोर वेल की सूचना देने सीएम हेल्पलाइन में नया माइयूल :-

जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ मनोज सिंह ने बताया कि खुले बोर वेल से संबंधित दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के उद्देश्य से राज्य शासन ने सीएम हेल्पलाइन एप्लिकेशन में एक नया मॉड्यूल भी शामिल किया है। सीएम हेल्पलाईन एप्लिकेशन को कोई भी नागरिक गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड और इंस्टाल कर सकता है। सीएम हेल्पलाइन एप्लिकेशन डाउनलोड करने के बाद नागरिक 'बोर वेल शिकायत खोलें' विकल्प पर जाकर और निर्धारित प्रक्रिया का पालन कर खुले बोर वेल की सूचना दे सकता है। सूचना देने वाले को एसएमएस से शिकायत आईडी भी प्राप्त होगी। नागरिकों से प्राप्त इस सूचना को संबंधित विभाग द्वारा तुरंत कार्यवाही की जायेगी।

# कंट्रोल रूम में अब तक 150 खुले नलकूपों की जानकारी आयी

ग्वालियर। यदि आपकी नजर में खुले नलकूप व कुँए हैं तो कंट्रोल रूम में दें जानकारी अनुपयोगी एवं खुले नलकूपों व बोरवेल में छोटे बच्चों के गिरने की घटनाओं को रोकने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा नगर निगम ग्वालियर सहित जिले के सभी नगरीय निकाय व जनपद पंचायत स्तर पर समितियाँ गठित की गई हैं। साथ ही खुले बोर, नलकूपों व कुओं की जानकारी लेने के लिये कंट्रोल रूम भी गठित किए गए हैं। इन कंट्रोल रूम पर गत 24 अप्रैल तक 150 खुले नलकूपों की जानकारी प्राप्त हुई है। इन

खुले नलकूपों को भरने का काम जारी है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सभी संबंधित अधिकारियों को अनुपयोगी एवं खुले नलकूपों व बोरवेल को पुख्ता ढंग से सुरक्षित करने के निर्देश दिए हैं, जिससे अप्रिय घटना की संभावना न रहे।

कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री कोचर ने बताया कि जिले की समस्त जनपद पंचायतों, नगर पालि. का एवं नगर परिषद के लिए गठित कंट्रोल रूम के प्रभारी अधिकारी की जिम्मेदारी जिला समन्वयक पीएचई श्री अंकुर जैन को सौंपी गई है, उनका मोबाइल फोन नम्बर 9907687590 है। इसी तरह नगर निगम ग्वालियर के लिए गठित कंट्रोल रूम के प्रभारी अधिकारी का दायित्व उपयंत्री जल प्रदाय श्री उपेन्द्र पहाड़िया को सौंपा गया है। इनका मोबा. इल फोन नम्बर 9425111282 है। यदि किसी के संज्ञान में कोई खुला नलकूप हो तो कंट्रोल रूम में इसकी सूचना दे सकता है। इन दोनों कंट्रोल रूमों में दूरभाष व वॉट्सएप इत्यादि के माध्यम से आम जन से खुले नलकूपों व कुँओं के संबंध में प्राप्त सूचनाओं व शिकायतों की जानकारी कंट्रोल रूम प्रभारी प्रतिदिन संकलित कर कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड ग्वालियर को उपलब्ध कराई जा रही है। कार्यपालन यंत्री द्वारा संबंधित विभागों से समन्वय बनाकर इन समस्याओं व शिकायतों का निराकरण कराया जा रहा है।

## बिना तार्किक आधार के लिये फीस ब्याज सहित वापस करायें - कलेक्टर

जबलपुर। कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में आज स्कूलों में अनाधिकृत फीस वृद्धि के संबंध में बैठक आयोजित की गई। जिसमें उन्होंने जांच दल की रिपोर्ट की समीक्षा कर कहा कि बहुत से स्कूल अनाधिकृत व बिना तार्किक आधार के फीस वृद्धि किये हैं जिसकी सूचना सक्षम प्राधिकारी को नहीं दिया गया है और न ही जिला शिक्षा समिति को सूचना दी गई है। समीक्षा के दौरान पाया गया कि मनमाने फीस वृद्धि से एक स्कूल में 1 करोड़ 64 लाख की अनुचित रूप से फीस ली गई है।

# विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर इंदौर में हुये विभिन्न कार्यक्रम

इन्दौर। विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर इंदौर में विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियों को आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में आमजन को मुख स्वास्थ्य के महत्व से परिचित कराया गया। विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार' और विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस की थीम 'एक स्वस्थ मुँह, एक स्वस्थ शरीर है' पर आधारित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

जिला चिकित्सालय इंदौर के सिविल सर्जन सहमुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ.जी. एल. सोढ़ी ने बताया कि विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर इंदौर में अनेक स्थानों पर दंत परिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि यह शिविर विभिन्न संस्थानों एवं निराश्रित सेवाश्रम, पितृ-पर्वत, शासकीय उच्चतर प्राथमिक विद्यालय विजय नगर, पिपलिया कांकड़, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक एम.ओ.जी. लाईन, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिरपुर में आयोजित किये गये। जिसमें दंत रोग एवं मुख कैंसर की स्क्रिनिंग की गई। हितग्राहियों को तम्बाकू सेवन से मुख स्वास्थ्य एवं शारीरीक स्वास्थ्य पर होने वाले हानिकारक प्रभाव से अवगत कराया गया तथा मुँह की देख-भाल और ब्रश करने का सही तरीका भी बताया गया।

एक स्वस्थ मुँह, एक स्वस्थ शरीर है की थीम पर म कनकेश्वरी देवी महाविद्यालय में दंत परीक्षण के साथ-साथ चित्रकला प्रतियोगिता तथा क्विज का आयोजन किया गया एवं विजेताओं को प्रमाण-पत्र व मेडल प्रदान किए गए।

जिला चिकित्सालय के दंत चिकित्सक डॉ. पारस रावत, डॉ. तृप्ति भाटी, डॉ. यशोदीप चौहान तथा डॉ. नीति पंडित द्वारा दांतों एवं मुख की देखभाल करने, ओरल कैंसर से बचाव को लेकर कई जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें हस्ताक्षर अभियान चलाकर धुम्रपान नहीं करने एवं नियमित मुख की सफाई करने की शपथ दिलाई गई। जिला चिकित्सालय में बैनर, पोस्टर एवं पम्पलेट द्वारा जानकारी देकर आमजनता को मुख स्वास्थ्य से संबंधित समस्यों के बारे में जागरुक किया गया। बच्चों में मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जगरुकता उत्पन्न के लिए सेल्फी स्टेण्ड के निर्माण भी किए गए।

# जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया

खरगोन। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डलेश्वर के मार्गदर्शन में 25 अप्रैल को विशेष नशा मुक्ति सप्ताह (22 से 26 अप्रैल) के अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल छोटी खरगोन में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में जिला न्यायाधीश एवं सचिव श्री सुजीत कुमार सिंह द्वारा नालसा (नशा पीड़ितों को विधिक सेवायें) योजना, 2015 के अंतर्गत विद्यार्थियों को बताया कि नशे की लत होने से व्यक्ति को मानसिक व शारीरिक दोनों ही समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वर्तमान में हम देख रहे है कि नशे या मादक पदार्थों के सेवन से कैंसर जैसी भयावह बीमारी हर किसी को हो रही हैं। जिसका इलाज काफी महंगा होता हैं। आज हम एक संकल्प लेते हैं कि हम नशा करने वाले व्यक्तियों को नशा करने से रो. कने के लिए प्रयास करेगें। नशाखोरी एक सामाजिक अभिशाप हैं। इसे दूर करने के लिए सामाजिक स्तर पर प्रयास करना चाहिए एवं जिला

प्राधिकरण द्वारा चलाये जा रहे नशा मुक्ति के अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर में द्वितीय जिला न्यायाधीश दीपक चौधरी ने कहा कि तंबाकू से बनने वाले उत्पाद गुटके, पाउॅच, बीड़ी, सिगरेट से व्यक्ति को कई गंभीर बीमारी होती हैं और वह शारीरिक रूप से कमजोर होता हैं। नशा छुड़वाने के लिए व्यक्ति को डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए और योगा करना चाहिए। जिससे मानसिक रूप से मनोबल बढ़ जाएगा तथा स्वस्थ्य जीवन रहेगा। तंबाकू या अन्य नशे से दूर रहना चाहिए। इस दौरान शासकीय हाई स्कूल छोटी खरगोन प्राचार्य सुभ्रदा सांवले ने आभार माना। शिविर में अध्यापिका शांति राठौर, सीमा भालसे, कल्याणी पाटीदार, शिरिश राठौड़ एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहें।

# मजदूरों के लिए नई मासिक और दैनिक दरें घोषित की गई

खण्डवा। कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह ने श्रमायुक्त मध्यप्रदेश द्वारा स्वीकृत नई दरों के आधार पर खण्डवा जिले के लिए उच्च कुशल, कुशल, अकुशल व अर्द्धकुशल श्रमिकों के लिए नई दरें घोषित की है। ये दरें विभिन्न कार्यालयों में नियुक्त श्रमिकों के लिए 1 अप्रैल से 30 सितम्बर 2024 की अवधि के लिए घोषित की गई है। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा घोषित महंगाई भत्ते की दरों के अनुसार दिनांक 1 अप्रैल 2024 से आगामी 6 माहों के लिये अकुशल श्रमिकों को न्यूनतम मूल वेतन प्रतिमाह 9575 रूपये अथवा प्रतिदिन 319.17 रूपये, के अलावा 2225 रूपये प्रतिमाह अथवा 74.17 रूपये प्रतिदिन दर से परिवर्तनशील महंगाई भत्ता दिया जायेगा। इस तरह अकुशल श्रमिकों को 11800 रूपये प्रतिमाह अथवा 393 प्रतिदिन दर से भुगतान किया जायेगा। इसी तरह अर्द्धकुशल श्रमिकों को न्यूनतम मूल वेतन प्रतिमाह 10571 रूपये अथवा प्रतिदिन 352.37 रूपये, के अलावा 2225 रूपये प्रतिमाह अथवा 74.17 रूपये प्रतिदिन दर से परिवर्तनशील महंगाई भत्ता दिया जायेगा। इस तरह अर्द्धकुशल श्रमिकों को 12796 रूपये प्रतिमाह अथवा 427 प्रतिदिन दर से भुगतान किया जायेगा। कुशल श्रमिकों को न्यूनतम मूल वेतन प्रतिमाह 12294 रूपये अथवा प्रतिदिन 409.80 रूपये, के अलावा 2225 रूपये प्रतिमाह अथवा 74.17 रूपये प्रतिदिन दर से परिवर्तनशील महंगाई भत्ता दिया जायेगा। इस तरह कुशल श्रमिकों को 14519 रूपये प्रतिमाह अथवा 484 प्रतिदिन दर से भुगतान किया जायेगा।

उच्च कुशल श्रमिकों को न्यूनतम मूल वेतन प्रतिमाह 13919 रूपये अथवा प्रतिदिन 463.97 रूपये, के अलावा 2225 रूपये प्रतिमाह अथवा 74.17 रूपये प्रतिदिन दर से परिवर्तनशील महंगाई भत्ता दिया जायेगा। उच्च कुशल श्रमिकों को 16144 रूपये प्रतिमाह अथवा 538 प्रतिदिन दर से भुगतान किया जायेगा।

# अंधे मोड़ वाले स्थानों पर जानकारी बोर्ड लगाए जाने हेतु दिए निर्देश

बडवानी। जिले की घुमावदार सड़कों पर प्रायः यह देखने में आया है कि अंधे मोड़ के कारण सड़क दुर्घटनाएं होती है। अतः सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अंधे मोड़ वाले स्थानों पर जानकारी देने वाले सूचना बोर्ड लगाये जाये, साथ ही यदि आवश्यकता हो तो मानक अनुसार स्पीड ब्रेकर भी बनाये जाये। कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग ने उक्त बाते गुरूवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय बड़वानी में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के दौरान कही। इस दौरान बैठक में उपस्थित पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद ने यातायात पुलिस को निर्देशित किया कि सड़क दुर्घटना होने के संबंध में स्थिति का परीक्षण करे। क्या सिर्फ सड़क दुर्घटना अंधे मोड़ के कारण हुई है या शराब पीकर वाहन चलाने, ओवर लोडिंग एवं ओवर स्पीडिंग के कारण हुई है। साथ ही वे यह सुनिश्चित करें कि जिले में कही भी वाहनो पर ओवरलोडिंग न हो वाहनो में ओवरलोडिंग पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाये । साथ ही लोगों को समझाईश भी दी जाये कि वे वाहन की क्षमता अनुसार ही वाहन में बैठे वाहन की क्षमता से अधिक यात्री बैठने पर घटना-दुर्घटना होने की संभावनाएं बनी रहती है। बैठक में दिये गये अन्य निर्देश - जिला परिवहन अधिकारी ट्रेक्टर-ट्राली बनाने वालों को निर्देशित करेगी कि वे ट्रेक्टर-ट्राली बनाते समय रात्रि के समय आसानी से दिखने वाले रेडियम रिफ्लेक्टर लगाये। जिले के बड़े बाजारों में स्थानों को चयनित करके दो पहिया वाहन एवं चार पहिया वाहन के प्रतिबंध के संबंध में आदेश निकाल. कर कार्यवाही की जाये। सकरे पुल पुलिया एवं घुमावदार मोड़ो पर यातायात संकेतक तथा रम्बल स्ट्रीप बनावाया जाये। नगरीय क्षेत्रो में थाना प्रभारी व नगर निकायो के सीएमओ संयुक्त भ्रमण कर, अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करें। यह थे उपस्थित बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री पुनित गेहलोद, जिला परिवहन अधिकारी सुश्री रीना किराड़े, नगर पालिका बड़वानी सीएमओ श्री केएस डुडवे, यातायात प्रभारी सुश्री उषा सिसोदिया सहित अशासकीय सदस्य श्री अजीत जैन उपस्थित थे।

# टी20 वर्ल्ड कप 2024 का मेजबान होगा अमेरिका, टीम इण्डिया स्क्वॉड का होगा जल्द एलान

T20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन वेस्टइंडीज और अमेरिका में किया जाना है। इस टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया के स्क्वाड का जल्द ऐलान किया जा सकता है। इसी बीच आईसीसी ने एक बड़ा फैसला लेते हुए युवराज सिंह को टी20 वर्ल्ड कप 2024 का हिस्सा बनाया है। आईसीसी ने इस बात की जानकारी खुद दी है। युवराज सिंह भारत के सबसे बड़े खिलाड़ियों में से एक हैं। टी20 वर्ल्ड कप में उनके नाम कई बड़े रिकर्ड दर्ज हैं। ऐसे में युवराज सिंह को टी20 वर्ल्ड कप के लिए आईसीसी ने अपने ब्रांड एंबेसडर के तौर पर साइन किया है। युवराज सिंह के अलावा इस वक्त क्रिस गेल और उसैन बोल्ट भी इस टूर्नामेंट के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाए गए हैं।

युवराज सिंह का नाम जब भी किसी के दिमाग में आता है तो सबसे पहले उनके वह छह छक्के याद आते हैं जो उन्होंने साल 2007 के टी20 वर्ल्ड कप के दौरान जड़े थे। वहीं उन्होंने सिर्फ 12 गेंदों पर टी20 वर्ल्ड कप में अर्धशतक भी जड़ा है। यह इस टूर्नामेंट का सबसे तेज अर्धशतक भी है। युवराज सिंह के शानदार फर्म के कारण टीम इंडिया ने साल 2007 का टी20 वर्ल्ड कप अपने नाम किया था।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन 01 से 29 जून तक किया जाएगा। जहां कुल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का सामना ग्रुप स्टेज के दौरान आयरलैंड, पाकिस्तान, अमेरिका और कनाडा से होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाले मुकाबले का

फैंस को बेसब्री से इंतजार है। युवराज सिंह ने इसी बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए टीम इंडिया के विकल्पों के बारे में भी चर्चा की है। युवराज सिंह ने वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया के विकेटकीपर के बारे में चर्चा की है। युवराज इंटरनेशनल खेलों के शौकीन दर्शक हैं और उन्होंने आईसीसी के साथ बैठकर इस साल के आयोजन से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की और बताया कि भारत को दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप ट्रफी जीतने के लिए क्या करने की जरूरत है।

युवराज सिंह ने कही ये बात

युवराज सिंह ने टीम इंडिया के विकल्पों के बारे में बात की है। जहां उन्होंने सूर्यकुमार यादव को लेकर कहा कि वह जिस तरह से खेलते हैं, वह 15 गेंदों में खेल का रुख बदल सकते हैं। युवराज सिंह ने कहा कि भारत के लिए इस टी20 विश्व कप को जीतने के लिए, सूर्या महत्वपूर्ण होने जा रहे हैं। गेंदबाजों को लेकर युवराज सिंह का मानना है कि वह युजवेंद्र चहल की तरह एक लेग स्पिनर को भी टीम में देखना चाहते हैं, क्योंकि वह वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। विकेटकीपर के मामले में युवराज सिंह ने कहा कि दिनेश कार्तिक एक अच्छे विकल्प हो सकते हैं, लेकिन उन्हें तब ही ले जाए जा अगर उन्हें प्लेइंग 11 में शामिल करने की बात हो वरना संजू सैमसन और ऋषभ पंत शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने कहा कि मैं डीके को टीम में देखना चाहूंगा, लेकिन अगर वह नहीं खेलेंगे तो आप किसी ऐसे खिलाड़ी को चुनें जो युवा हो और अंतर पैदा कर सके।

साभार – indiatv.in

# तीन बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी का सेमीफायनल में प्रवेश

दिसंबर, 2022 में मां बनने के बाद से दीपिका कुमारी के शानदार प्रदर्शन क्रम जारी है। तीन बार की ओलंपियन इस तीरंदाज ने विश्वकप स्टेज-1 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। दीपिका ने क्वार्टर फाइनल में कोरिया की जियोन हुनयंग को पिछड़ने के बाद 6-4 से पराजित किया। उनका सेमीफाइनल में सामना एक अन्य कोरियाई तीरंदाज नाम सुहयोन से होगा।

तीन वर्ष पहले विश्वकप का स्वर्ण जीती थीं दीपिका

142वीं विश्व रैंकिंग पर फिसल गई दीपिका रैंकिंग राउंड 30वें स्थान पर थीं। दीपिका जियोन के खिलाफ एक समय 1-3 से पिछड़ी हुई थीं, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए अगले दो सेट जीते और पांचवां सेट पर बराबरी पर रखते हुए 27-28-27-27, 29-28, 29-27, 28-28 से जीत हासिल कर ली। मां बनने के बाद दीपिका ने फरवरी में एशिया कप का स्वर्ण जीता था। उन्होंने अंतिम बार विश्व. कप का स्वर्ण पेरिस में 2021 में जीता था।

ज्योति-अभिषेक मिश्रित स्पर्धा के फाइनल में

कंपाउंड तीरंदाजी में भारतीय तीरंदाजों का शानदार प्रदर्शन का क्रम जारी है। ज्योति सुरेखा और अभिषेक वर्मा ने मिश्रित स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश कर एक और पदक पक्का कर लिया। ज्योति-अभिषेक ने मेक्सिको की जोड़ी एंड्रिया बेसेरा और मैक्सिमो मेंडेज ओर्टिज को 155-151 से हराया। फाइनल में दोनों का सामना निचली रैंक के एस्टोनिया की टीम से होगा। रिकर्व के मिश्रित स्पर्धा में अंकिता भक्त और बी धीरज को सेमीफाइनल में कोरिया के लिम और किम वूजिन से 0-6 से हार का सामना करना पड़ा। अब दोनों कांस्य पदक केलिए मेक्सिको की जोड़ी से खेलेंगे।

साभार – amarujala.com

# दीपक ने साझा की दिलों की रानी जीनत की बातें

जीनत अमान कौन हैं? ये बताने की आज जरूरत नहीं। 70 के दशक को वो हसीना, जिसने पर्दे पर सालों तक राज किया, जिन्होंने पर्दे पर बोल्डनेस का परिचय दिया। वो एक्ट्रेस जो अपने ग्लैमर और एक्टिंग की दम पर सिनेमा पर लाखों दिलों की 'रानी' बनीं। इस रानी पर लट्टू देश का पहला 'मिस्टर इंडिया' भी हुआ करता था। 72 साल के ये एक्टर है दीपक पाराशर। हाल ही में उन्होंने जीनत को लेकर अपने प्यार के बारे में बातें की। उन्होंने क्या कहा चलिए आपको बताते हैं।

नई दिल्ली। 'आगाज-ए-मोहब्बत का अंजाम बस इतना है, जब दिल में तमन्ना थी, अब दिल ही तमन्ना है।' ये शायरी 72 साल के उस एक्टर पर बिलकुल फिट बैठती है, जो एक हैंडसम और स्टाइलिश एक्टर रहे। जनिकी 6 फीट की हाइट, अमिताभ बच्चन की तरह पर्सनालिटी और जिन्होंने अपने लुक्स से बहुत लोगों को अपने दीवाना बनाया। देश के पहले 'मिस्टर इंडिया' बने। बॉलीवुड के सुपरहिट फिल्मों के साथ नाम और शौहरत सब मिली, लेकिन इसके बाद उन्हें बी ग्रेड फिल्मों में भी काम करना पड़ा। क्या आप जानते हैं कि ये एक्टर जीनत अमान से शादी करना चाहते थे, लेकिन उन

मां ने ये होने नहीं दिया। सालों बाद एक्टर ने खुद इस किस्से को बया किया और जाहिर किया कि जीनत अमान के लिए उनके मन में आज भी फीलिंग्स हैं। जीनत अमान कौन हैं? ये बताने की आज जरूरत नहीं। 70 के दशक को वो हसीना, जिसने पर्दे पर सालों तक राज किया, जिन्होंने पर्दे पर बोल्डनेस का परिचय दिया। वो एक्ट्रेस जो अपने ग्लैमर और एक्टिंग की दम पर सिनेमा पर लाखों दिलों की 'रानी' बनीं। इस रानी पर लट्टू देश का पहला 'मिस्टर इंडिया' भी हुआ करता था। 72 साल के ये एक्टर है दीपक पाराशर। हाल ही में उन्होंने जीनत अमान के लिए उनके लिए फीलिंग्स आज भी हैं। एक्टर ने इस बात. चीत में आगे कहा कि ये वो दौर था, जब हम दोनों पर्सनल लाइफ में बुरे वक्त से गुजर रहे थे। जीनत अमान और मैं दोस्त थे और हम अपने सुख-दुख एक साथ शेयर करते थे।

साभार – hindi.news18.com

# आपराधिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें : अनुपम राजन

भोपाल। ग्वालियर-चंबल संभाग के लोकसभा चुनाव पर भारत निर्वाचन आयोग की विशेष निगाह है। दोनों संभागों में स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव सम्पन्न कराने को लेकर आयोग सतर्क और गंभीर है। इसलिए आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ एनएसए व जिला बदर सहित अन्य सख्त प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाए, जिससे मतदाताओं में विश्वास कायम हो और वे निर्भीक होकर अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें। इस आशय के निर्देश मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री अनुपम राजन ने ग्वालियर-चंबल संभाग की निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा बैठक में दोनों संभागों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षकों को दिए। उन्होंने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये हर मतदान केन्द्र तक व्यापक स्तर पर मतदाता जागरूकता गति. विधियाँ बढ़ाने पर भी विशेष बल दिया। बुधवार को ग्वालियर की तानसेन रेसीडेंसी में हुई बैठक में पुलिस महानिरीक्षक (कानून-व्यवस्था) एवं राज्य पुलिस नोडल आफिसर श्री अंशुमन सिंह, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री विवेक श्रोत्रिय, कमिश्नर ग्वालियर डॉ. सुदाम खाड़े व कमिश्नर चंबल श्री संजीव कुमार झा, पुलिस महानि. रीक्षक ग्वालियर श्री अरविंद सक्सेना, डीआईजी चंबल श्री कुमार सौरभ तथा ग्वालियर की कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान और पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह सहित दोनों संभागों के सभी जिलों के कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक मौजूद थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने कहा कि अंतर्राज्यीय व अंतर जिला नाकों पर 24 घंटे विशेष निगरानी रखें। अवैध धन, मदिरा व अन्य मादक पदार्थ व अवैध हथियारों सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त करें। साथ ही इस प्रकार की अवैध गति. विधियों में लिप्त असामा. जिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने बाउण्डओवर की कार्रवाई में

तेजी लाने और जिला बदर आदेश का कड़ाई से पालन करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि एसएसटी, एफएसटी व वीएसटी पूरी तरह मुस्तैद व सतर्क होकर काम करें। श्री राजन ने वल्नरेबल क्षेत्र के मतदान केन्द्रो में सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम करने के निर्देश दिए। जिन भवनों में पाँच या उससे अधिक मतदान केन्द्र हैं वहाँ अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात करने के भी निर्देश दिए। जिन मतदान केन्द्रों में मतदाताओं की संख्या अधिक है वहाँ अतिरिक्त मतदान कर्मियों की तैनाती करें, जिससे मतदान सुचारू रूप से हो।

पुलिस महानिरीक्षक कानून व्यवस्था श्री अंशुमन सिंह ने सभी पुलिस अधीक्षकों से कहा कि असमाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई ऐसी हो, जिससे अपराधियों में खौफ और मतदाताओं में विश्वास कायम हो।

कमिश्नर ग्वालियर डॉ. सुदाम खाड़े ने जानकारी दी कि सीमावर्ती राज्यों के अधिकारियों के साथ इंटर स्टेट बॉर्डर मीटिंग हो चुकी हैं। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखकर संभाग के सभी जिलों में प्रत्येक मतदान केन्द्र पर पेयजल की पुख्ता व्यवस्था कराई जा रही है। मतदान केन्द्र से 100 मीटर की दूरी से संबंधित बोर्ड/बैनर लगाने का कार्य अभियान बतौर कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये संभाग में स्वीप के तहत सुनियोजित गति. विधियाँ आयोजित की जा रही हैं।

कमिश्नर चंबल संभाग श्री संजीव कुमार झा ने मतदान दिवस पर त्वरित कार्रवाई पर बल दिया। डीआईजी चंबल श्री कुमार सौरभ ने कहा कि पुलिस थानों में जमा कराए गए शस्त्रों के लायसेंसधारियों के यहाँ उपलब्ध राउण्ड (कारतूस) का दुरूपयोग न हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसकी निगरानी करने का सुझाव उन्होंने सभी पुलिस अधीक्षकों को दिया।

कलेक्टर ग्वालियर श्रीमती रुचिका चौहान सहित दोनों संभागों के जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षकों ने अपने-अपने जिले की चुनाव तैयारियों एवं स्वीप गति. विधियों की जानकारी दी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने ग्वालियर जिले में चल रहीं मतदाता जागरूकता गतिविधियों की सराहना की।

## बाल विवाह की रोकथाम के लिए जिला स्तरीय निगरानी दलों का गठन

सीहोर। कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह द्वारा गत दिवस सभी संबंधित विभागों को विवाह के विशेष अवसरो पर बाल विवाह होने की संभावना को दृष्टिगत रखे हुए जिला स्तर एवं अनुभाग स्तर पर बाल विवाह की रोकथाम के लिए दल गठित किये गये थे।

कलेक्टर श्री सिंह द्वारा जारी निर्देशानुसार परियोजना, विकासखण्ड एवं जिला स्तर पर निगरानी दलों का गठन कर लगातार कार्यवाही कि जा रही है। जिले में किसी भी स्थान पर बाल विवाह होता है तो विभाग या सहयोगी संस्थाओं को जानकारी प्राप्त हो जाती है एवं सरकार द्वारा संचालित हेल्पालईन के माध्यम से भी सूचनाएं प्राप्त होती है। चाईल्ड हेल्पलाईन से ग्राम पाटेर तहसील श्यामपुर थाना अहमदपुर में 27 अप्रेल 2024 को बालिका निशा परिवर्तित नाम का बाल विवाह की सुचना प्राप्त होने पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास प्रफुल्ल खत्री ने तत्काल कार्यवाही करने के लिए दौराहा परियोजना अधिकारी श्रीमती माधवी सिंह को निर्देशित किया। श्रीमती माधवी सिंह द्वारा ग्राम पाटेर में विवाह स्थल पर पहुच कर बालिका के माता पिता से बालिका की आयु संबंधी दस्तावेज मांगे गये। पहले तो परिजनों ने बालिका के दस्तावेज बाताने से इंकार किया। परियोजना अधिकारी द्वारा जब बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की जानकारी देते हुये बताया कि 18 वर्ष की आयु से पहले बालिका का विवाह अपराध है जिसमें आपको 2 वर्ष की सजा एंव 1 लाख रूपये का जुर्माना हो सकता है। तब बालिका की 10 वी कक्षा की मार्कशीट बताई गई जिसमें जन्मतिथि 19 दिसंबर 2006 के अनुसार बालिका 17 वर्ष 4 माह की होना पाई गई। टीम द्वारा बालिका के माता-पिता एवं परिजनों को समझाइस दी गई, इस पर सभी ने विवाह को निरस्त किया तथा शपथ पत्र एवं कथन दिया के बालिका का विवाह 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के पश्चात ही करेंगे।

+ PAIN CLINIC +
डॉ. राघवेन्द्र साध
डी. आर्थ, एम.एस. ( अस्थि रोग ), एफ.बी.ओ.एस., एफ.एन.आईओ.एच.
अस्थि एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
स्पाईन सर्जन
हैन्ड एवं नर्व (नस) रिकंस्ट्रक्टिव
प्रतिदिन - सायं 5 से 9 बजे तक, रविवार सुबह 9.30 से 12.30 बजे तक
डॉ. श्रीमती दीपिका साध
एम.एस.सी., डी.एच.एम.एस.
होम्योपैथी फैमिली फिजिशियन
समय : सुबह 9.30 से 12.30 बजे तक, शाम : 5.00 से 7.00 बजे तक
डॉ. प्राची साध
एम.बी.बी.एस., फिजिशियन एवं सर्जन
गर्दन दर्द, चक्कर आना
घुटने व अन्य जोड़ो का दर्द
झुनझुनी
सुन्नपन
साईटिका
पीठ दर्द, कमर दर्द
नसों का दर्द
गठिया
स्पोन्डेलाइटिस
पता : 23, 24, नर्मदा नगर, न्यू फ्रेन्ड्स कॉलोनी बावड़िया कलाँ, मृत्युन्जय शिव मंदिर के पास, भोपाल
संपर्क :- 9425681936

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक वंदना अत्रे द्वारा क्लासिक कम्प्यूटर एण्ड प्रिंटर्स 37, अनेकांत नगर, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित एवं 141, अमरनाथ कॉलोनी सर्वधर्म, कोलार रोड से प्रकाशित। सम्पादक-यतीन्द्र अत्रे, आरएनआई :MPHIN/2019/78271 सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख, चित्रों में व्यक्त रचनाकारों, लेखकों के विचारों से सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। सम्पर्क - 9425004536, 9424410981, 0755-2495707, ई मेल - rangsanskriti@gmail.com